महत्वपूर्ण एवं खास

भारतीय मजदूर संघ की मशाल रैली आज

कोरबा। आजादी के 75 वीं वर्षगांठ पर कल भारतीय मजदूर संघ की बैठक जेपी कालोनी स्थित यूनियन कार्यालय में बुलायी गई। जिसमें निर्णय लिया गया कि सभी क्षेत्रों में 14 अगस्त को मशाल रैली निकाली जाएगी। जबकि आज सभी झोपड़ पट्टी क्षेत्रों में झंडे बांटने का काम किया जा रहा है। बालको में मशाल रैली निकालने की जवाबदारी जिला भामस अध्यक्ष शरद नायर, जिला कार्यकारी अध्यक्ष संजीव शर्मा, हरीश सोनवानी, रामलाल चंद्राएदरी में प्रदेश उद्योग प्रभारी राधेश्याम जायसवाल, चंद्रशेखर दुबे सुरेश साहू, हेतराम, एसके बंजारा, जिला मंत्री नवरतन बरेठ, रामबाबू गंधर्व, लोचनदास, पूर्णिमा साहू, एनटीपीसी में सुरेन्द्र राठौर, एमपी सिंह को दी गई है। कल बांकीमोंगरा क्षेत्र में भी भाजपाइयों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान वरिष्ठ नेता डॉ जेपी चंद्रा, पूर्व विधायक लखन देवांगन, लक्ष्मीकांत जगत सहित अनेकों कार्यकर्ता मौजूद रहे। कोसाबाड़ी में अजय विश्वकर्मा, सुभाष राठौर, दिनेश सेन, संजीव शर्मा, सिद्धांत नारायण सोनी, पिंकु रंजन के द्वारा तिरंगा यात्रा की तैयारी की जा रही है।

माइंस के मुहाने पर ग्रामीण का मिला शव

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड की कुसमुंडा माइंस के मुहाने के पास खेत में एक ग्रामीण का शव मिला है। उसकी पहचान कर ली गई है। पुलिस ने 174 सीआरपीसी के तहत मर्ग कायम कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान 75 वर्षीय पत्थर सिंह पिता आनंद सिंह के रूप में की गई है। उसके पुत्र गनपत सिंह की सूचना पर पुलिस ने पंचनामा की औपचारिकता पूरी की। कुसमुंडा थाना प्रभारी नवीन देवांगन ने बताया कि घटना स्थल के पास से ड्यूटी के लिए जा रहे कुछ कर्मियों की नजर इस व्यक्ति पर पड़ी। उन्होंने नजदीक में जाकर उसे देखा और आसपास में सूचना दी। कुछ देर के बाद पुलिस की टीम यहां पहुंची। इस दौरान गनपत सिंह ने मृतक को पहचाना। खबर मिली कि कुछ दिनों पहले पत्थर सिंह बीमार हो गया था और फिर उसकी स्थिति बिगड़ती चली गई। उसके शरीर का एक हिस्सा ठीक तरह से काम नहीं कर रहा था। ग्राम खोडरी से कुसमुंडा खदान क्षेत्र में उसका खेत स्थित है। ग्रामीण अपनी फसल को देखने यहां पहुंचा था। माना जा रहा है कि रात्रि में अधिक बारिश होने के दौरान वह यहां पर फंसने के साथ मौत को प्राप्त हुआ होगा। पुलिस ने कहा कि मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट से चल सकेगा।

हाथियों ने बाघिनडांड में किसानों के फसल को किया मटियामेट

कोरबा। कटघोरा वनमंडल के पसान रेंज में हाथियों का उत्पात जारी है। यहां के बाघिनडांड में अचानक पहुंचे 23 हाथियों के दल ने एक दर्जन किसानों की फसल मटियामेट कर दी है। किसानों को फसल नष्ट होने की जानकारी आज सुबह तब लगी जब वे अपने खेतों को देखने पहुंचे तो लहलहाती फसल के स्थान पर उन्हें रौंदा हुआ मिला। खेतों में हाथियों के पैरों के निशान थे। किसानों को यह समझने में देर नहीं लगी कि हाथियों ने फसल को रौंदकर उनकी मेहनतों पर पानी फेर दिया है। इसकी सूचना किसानों द्वारा वन विभाग के अधिकारियों को दी गई। अधिकारियों के निर्देश पर वन विभाग का अमला आज सुबह बाघिनडांड गांव पहुंचा और हाथियों द्वारा किये गए नुकसानी का सर्वे किया। एक अनुमान के अनुसार हाथियों के उत्पात से किसानों को काफी नुकसान पहुंचा है। हाथियों के क्षेत्र में लगातार मौजूदगी से ग्रामीण काफी हलाकान हैं और वे दहशत के साये में जीवन जी रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कब हाथियों का उत्पात रूकेगा और उन्हें राहत मिलेगी।

देश को स्वाधीन कराने तथा राष्ट्र व समाज के नव निर्माण में आदिवासियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण - मुख्यमंत्री

- कोलिहामार गुरूर में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री
- नारागांव के चार स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों के प्रतिमा स्थापित करने तथा शासकीय महाविद्यालय गुरूर का नामकरण स्व.डारन बाई तारम के नाम से करने की घोषणा
- आदिवासी सामुदायिक भवन का निर्माण, मुख्य मार्ग गुरूर में शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा का स्थापना, प्री.मैट्रिक छात्रावास एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के जीर्णोद्धार सहित विभिन्न विकास कार्यों की दी सौगात

बालोद (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि देश को स्वाधीन कराने तथा राष्ट्र व समाज के नवनिर्माण में आदिवासी समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। बघेल ने कहा कि पूरे देश की भांति हमारे छत्तीसगढ़ में भी शहीद गुण्डाधुर, परलकोट के जमींदार शहीद गैंदसिंह नायक, सोनाखान के जमींदार शहीद वीर नारायण सिंह सहित अनेक आदिवासी महापुरूषों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति का शंखनाद कर अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। उन्होंने आदिवासी समाज को शांत, सरल एवं मेहनतकश समाज बताते हुए कहा कि हमारी सरकार आदिवासियों के विकास एवं उनके हितों के संरक्षण के लिए कटिबद्ध है। इस अवसर पर उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित

लोगों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएँ भी दी। मुख्यमंत्री बघेल आज बालोद जिले के गुरूर विकासखण्ड के ग्राम कोलिहामार में आदिवासी गोंडवाना सेवा समिति तहसील गुरूर द्वारा आयोजित विश्व आदिवासी दिवस समारोह के अवसर पर अपना उद्गार व्यक्त कर रहे थे। बघेल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री अनिला भेंडिया, संसदीय सचिव एवं गोण्डवाना समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिशुपाल शोरी, संसदीय सचिव कुंवर सिंह निषाद, संजारी-बालोद की विधायक संगीता सिन्हा, गोंडवाना समाज के प्रदेश अध्यक्ष नीलकंठ टेकाम सहित अन्य अतिथिगण उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री बघेल ने ग्राम नारांगाव के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. सुकालू राम कडियाम, स्व. बिसाहू राम गायकवाड़, स्व.पीताम्बर मंडावी, स्व.सरजू राम मंडावी सहित चारों स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के स्मृति को चिरस्थायी बनाने हेतु उनके प्रतिमा का निर्माण करने के लिए 20 लाख रूपए तथा शासकीय महाविद्यालय गुरूर का नामकरण क्षेत्र की प्रथम आदिवासी विधायक डारन बाई तारम के नाम से करने, आदिवासी सामुदायिक भवन के जीर्णोद्धार हेतु 50 लाख रूपए, प्री. मैट्रिक बालक छात्रावास के 20 सीट को बढ़ाकर 50 सीट किए जाने तथा जीर्णोद्धार हेतु 20 लाख रूपए, मुख्य मार्ग गुरूर में शहीद वीर नारायण सिंह की प्रतिमा स्थापित करने के लिए 10 लाख रूपए तथा बालोद के बुढ़ातालाब का सौंदर्यीकरण कराने और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गुरूर का जीर्णोद्धार कराने की घोषणा की है। इसके अलावा उन्होंने ग्राम कोलिहामार ग्राम के विकास के लिए 20 लाख रूपए की राशि स्वीकृत करने तथा विकासखण्ड मुख्यालय गुरूर में पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास खोलने की घोषणा भी की।

मौसम का बदलाव लोगों के स्वास्थ्य पर: अस्पतालों में बढ़ी मरीजों की संख्या

कोरबा। मौसम में बदलाव का असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। अस्पतालों में मरीजों की भीड़ जुट रही है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रोगियोंकी संख्या इतनी बढ़ गई है कि प्रबंधन को वार्ड के बाहर बिस्तर लगाना पड़ा है। एक पखवाड़े से मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। कुछ दिन पहले तेज धूप, फिर हल्की बूंदा.बांदी और अब तीन दिनों से रूक-रूककर हो रही बारिश ने लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाला है। लोग सर्दी, खांसी, जुकाम, उल्टी, दस्त, वायरल फीवर से ग्रसित हो रहे हैं। इलाज के लिए लोग अस्पताल पहुंच रहे हैं। इससे शासकीय व निजी अस्पातलों के ओपीडी एवं आईपीडी काउंटर में पर्ची कटाने के लिए मरीजों की लंबी कतार लग रही है।

शासकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल

में ओपीडी मरीजों की संख्या 550 से अधिक पहुंच रही हैं। सामान्य तौर पर यहां मरीजों की संख्या 400 के करीब रहती है। एक हफ्ते के भीतर लगभग तीन हजार से अधिक मरीजों ने उपचार कराया है। ओपीडी में आए अधिकांश मरीज मौसमी बीमारी से पीड़ित है। स्थिति यह है कि जिला अस्पताल में सर्जिकल, महिला व पुरूष वार्ड में बिस्तर खाली नहीं है। प्रबंधन को मरीजों के लिए वार्ड के बाहर बिस्तर लगाने पड़ रहे और वह भी खाली नहीं है। कई मरीजों को बिस्तर के लिए इंतजार करना पड़ रहा है, बिस्तर की कमी की वजह से कुछ मरीजों को निजी अस्पताल जाना पड़ रहा है। इधर निजी अस्पतालों में भी भीड़ अधिक है। मरीजों को चिकित्सकों के द्वारा उपचार सलाह और दवाई दी जा रही है। मौसम की सबसे अधिक मार बच्चों पर पड़ी है। तेज बुखार, सर्दी, खांसी, उल्टी और दस्त जैसी समस्याएं आ रही है। वायरल फीवर चार से पांच दिन तक बच्चों को परेशान कर रहा है। स्थिति यह है कि मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बिस्तरों की संख्या 350 तक पहुंच गई है। पहले यहां बिस्तरों की संख्या 100 थी। जिले में समय के साथ जनसंख्या भी बढ़ी है।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पर्याप्त सुविधाएं समय पर नहीं मिलने की वजह से मरीज निजी अस्पताल जाने को मजबूर हो रहे हैं। मरीज व परिजनों को मोटी रकम खर्च करनी पड़ रही है। सबसे अधिक परेशानी गरीब व मध्यम वर्गीय परिवार को हो रहा है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के केवल एक ही पर्ची काउंटर है। इसी काउंटर से खून, यूरिन, एक्स.रे, सोनोग्राफी, दांत सहित सभी जांच के लिए निर्धारित शुल्क जमा करना पड़ता है। इसके बाद मरीज इलाज करना पड़ रहा है। इसके लिए मरीज व परिजनों को लंबी कतार में खड़े होकर एक से डेढ़ घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। महिला व पुरूष का भले ही कतार अलग लग रही है, लेकिन पर्ची एक ही खिडक़ी पर दी जा रही है। ऐसे में बुजुर्गों को भी इसी लाइन में खड़ा होना पड़ रहा है।

झमाझम बारिश ने रिहायसी इलाकों में बढ़ाई समस्याएं

कोरबा। पिछली रात बादलों के झूमकर बरसने का अंदाज भले ही कृषि क्षेत्र के लिए राहत भरा रहा हो लेकिन रिहायसी इलाके के लिए इसने समस्या बढ़ायी। स्लम बस्तियों में पानी घुस जाने से लोग परेशान हुए। इसके उल्टे कई आवासीय क्षेत्रों में सडक़ों पर नदी जैसा नजारा पेश आया। मानसून से पहले की गई विशेष साफ सफाई व तैयारी की गई थी, उसका सच भादो की शुरूआत में सामने आ गया। कुछ दिनों से गायब हुई बारिश ने एकाएक अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

सुबह से रह-रह कर बरस रहे बादलों के तेवर रात होने के साथ अचानक बढ़ गए। पूरे सीजन में पहली बार हुई तेज रफ्तार की बारिश ने लोगों को चौकानें के साथ डराया। बिना रूके बरस रहे बादलों के चक्कर में चौतरफा पानी ही पानी हो गया। जानकारी के मुताबिक वार्ड नंबर 12 शारदाविहार में नालियों का जल स्तर इतना बढ़ा कि यहां आंतरिक मार्ग और नालियों को समझ पाना मुश्किल हो गया। पानी का निकालने के लिए मशक्कत होती रही। वार्ड क्रमांक 23 आरएसएस नगर के मुख्य मार्ग पर पिछले वर्ष की तरह जलजमाव की समस्या ने लोगों को परेशान किया। यहां रास्ते से आ रहा पानी बस्तियों के साथ लोगों के घरों में घुस गया। खपरा भट्ठा और कुंआ भट्ठा के साथ सीतामणी के क्षेत्र में लोग समस्या से जूझते रहे। बालकोनगर और कोयलांचल क्षेत्र में भी पानी बरसते रहा।

निदान अभियान के तहत 52 बाइक व तीन बोलेरो जब्त

कोरबा। नशे की स्थिति व अन्य हालत में वाहन चलाने के दौरान लापरवाही का प्रदर्शन करते हुए नियमों से खिलवाड़ करना वाहन चालकों को भारी पड़ रहा है। ऐसे मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने पिछले दिनों निदान अभियान के अंतर्गत 52 बाईक और तीन बोलेरो को जब्त किया। ये मामले आज लोक अदालत में भेजने की तैयारी की जा रही है। स्थानीय जिला न्यायालय परिसर में विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से लोक अदालत आयोजित की गई है। कई बेंचों में बड़ी संख्या में मामले रखे जाएंगे जिनकी श्रेणियों का निर्धारण पहले ही कर लिया गया है। सामान्य तौर पर आसानी से निराकृत होने वाले और राजीनामा योग्य मामले लोक अदालत के लिए तय किये जाने की व्यवस्था है।

बताया गया कि मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत जो मामले ट्रैफिक पुलिस द्वारा एक अरसे में बनाए गए और वाहन जब्त किये गए, उन्हें लोक अदालत में पेश किया जाना है। यहां से अगली कार्रवाई तय होगी। जानकारी के अनुसार ट्रैफिक पुलिस ने कोरबा क्षेत्र में अभियान चलाते हुए 52 बाइक और तीन बोलेरो की जब्ती बनाई। एसपी संतोष सिंह के मार्गदर्शन और डीएसपी शिवचरण सिंह परिहार के सुपरविजन में पुलिस के द्वारा इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। कार्रवाई करने वाले दल में एएसआई मनोज राठौर, हेड कांस्टेबल साहेबलाल खटकर, कार्तिक राम चंद्रा, आरक्षक व क्रेन ऑपरेटर रामकुमार ने यह कार्रवाई की। बताया गया कि इन मामलों में अधिकांश चालक नशे की स्थिति में वाहन चलाते धरे गए। जबकि कुछ मामलों में किसी न किसी तरीके से वाहन चालकों ने लापरवाही का प्रदर्शन किया। उनकी वजह से न केवल यातायात के नियम टूटे बल्कि सडक़ पर आवाजाही करने वालों को समस्याएं हुई। जिले के अन्य प्वाइंटस पर इसी तरह की कार्रवाई यातायात पुलिस के द्वारा की गई।

एसईसीएल के आवास का पिछला हिस्सा धंसा, जनहानि नहीं

कोरबा। एसईसीएल के आवासों के सामने समस्याएं बनी हुई है। लगातार हो रही बारिश और नमी का असर इस बेल्ट में कुछ ज्यादा देखने को मिल रहा है। एसईसीएल हास्पिटल के नजदीक आवासीय परिसर में ए.2 संख्या के आवास का एक हिस्सा बीती शाम धंस गया। हालांकि इस दौरान जनहानि नहीं हुई। आज सुबह सिविल विभाग की टीम यहां पहुंची और हालात का जायजा लिया। इस घटनाक्रम से आसपास के इलाके में भय का वातावरण बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार यह आवास एसईसीएल कर्मी सालोमन को आवंटित किया गया है। वे अस्पताल

में मेट्रन के पद पर कार्यरत है। उनका परिवार यहां पर रहता है। शुक्रवार को सालोमन ड्यूटी पर थी और परिवार के अन्य सदस्य दूसरे कक्ष में थे। शाम को एकाएक आवास के शयनकक्ष में एक हिस्सा लगभग तीन फीट तक धंसक गया। यह घटना अचानक हुई। इसके नतीजन मौके पर रखा पलंग का काफी भाग नीचे पहुंच गया। आवाज होने पर परिवार और पड़ोसियों को इसकी भनक हुई। आनन-फानन में यहां की स्थिति को नियंत्रित किया गया। बताया गया कि यह परिवार लगभग 15 वर्ष से इस आवास में निवासरत है जबकि इस हिस्से में बने आावासों का जीवनकाल 40 वर्ष के आसपास हो चुका है। यह बात जरूर है कि समय-समय पर यहां की आवश्यकता के हिसाब से मेंटेनेंस संबंधी काम कराए जाते रहे हैं लेकिन क्षेत्र की भौगोलिक संरचना के चलते यदाकदा अप्रत्याशित घटनाएं होती रहती है। एसईसीएल कर्मी सालोमन के आवास में जो कुछ हुआ, उसे इसी से जोडक़र देखा जा रहा है। यहां पर हुई घटना की जानकारी होने पर आसपास के सहकर्मी और शुभचिंतक यहां पहुंचे तथा हालचाल जाना। आज दूसरे दिवस प्रबंधन के सिविल विभाग के अधिकारी और कर्मी ने यहां पर उपस्थिति दर्ज कराने के साथ जानना चाहा कि हुआ क्या है और डैमेज कंट्रोल के लिए क्या कुछ करना जरूरी होगा। प्रबंधन की ओर से इसी के साथ विभिन्न क्षेत्रों में कर्मचारियों के भीतर के डर को दूर करने की कोशिश भी की जा रही है। घटनाओं के पीछे व्यवहारिक और तकनीकी पक्ष से संबंधितों को अवगत कराया जा रहा है।

पारंरिक गीतो के साथ रक्षा बंधन के दूसरे दिन भोजली विसर्जन किया गया

कोरबा। देवी गंगा देवी गंगा.. लहर तुरंगा... हमरो भोजली के दमके आठो अंगा जैसे पारंरिक गीतो के साथ रक्षा बंधन के दूसरे दिन शुक्रवार को भोजली का विसर्जन के विभिन्न नदी घाटों में हुआ है। शहर के विभिन्न बस्ती व कालोनियों से भोजली विसर्जन यात्रा निकाली गई। जिसमें शामिल महिलाओं व युवतियों ने पुन: आगनमन का निमंत्रण देकर भोजली की बिदाई दी गई।

भाद्रपद की प्रथमा तिथि होने की वजह से श्रावण में बोएं गए भोजली का धूमधाम से विसर्जन हुआ। विसर्जस का मुख्य आकर्षण शहरी क्षेत्र

में देखा गया। जहां विभिन्ना बस्तियों में सैकडों की तादात में महिलाओं व युवतियों ने एकत्र होकर भोजली देवी को बिदाई दी। ग्रामीण क्षेत्र से पहुंचे श्रमिक बस्तियों में रहने वाले लोगों आज भी परंपरा का जीवंत रखा है। शुक्रवार को लाल मैदान में आयोजित भोजली उत्सव लोगों के लिए आकर्षण रहा। उत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इधर शहर में भोजली विसर्जन कार्यक्रम में ढोढीपारा, पथरीपारा, सीतामढ़ी, पोंड़ी बहार आदि स्थानों में नई पीढ़ी के कि शोरी व युवतियों की भागीदारी रही। ढोढ़ीपारा में भी विसर्जन यात्रा निकाली गई जो पंपहाउस नदी घाट में पूर्ण हुई। पथरीपारा में भी भोजली विसर्जन का वृहत आयोज किया गया है। गाजे बाजे के साथ पारंपरिक गीत हुई महिलाओं की टोलियों ने ढेंगुर नाला पहुंच कर भोजली का विर्सन किया। सीतामढ़ी से अलग अलग टुकडियों में निकली भोजली दल की महिलाओं ने हसदेव नदी में भोजली का विसर्जन किया। शहरी क्षेत्र के अलावा उपनगरीय क्षेत्र बांकीमोंगरा, दीपका, रजगामार, करतला, बालको, छुरी, पाली, चैतमा, दर्री, जमनीपाली, पसान, तुमान आदि स्थानों में भी भोजली विसर्जन का आयोजन किया गया।

नदी घाटों में भोजली बदने की परंपरा का निर्वहन किया गया। परंपरा में युवती व महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया। विसर्जन पूर्व की गई पूजा के पश्चात भोजली के पत्तो कों निकाल कर बालों में व कान में लगाने की परंपरा है। कहा जाता है भोजली बदने से मित्रता में प्रगाढ़ता आती है। पारंपरिक भोजली गीतों से नदी घाट के तट गुंजायमान रहे।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं सम्मान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

कलेक्टर संजीव झा एवं पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने बालिका गृह एवं दत्तक ग्रहण अभिकरण के बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन पर्व

- कलेक्टर झा ने कौशल उन्नयन के लिए बालिका गृह के बालिकाओं को सीपेट से प्रशिक्षण दिलाने तथा बालिका गृह भवन में सोलर सिस्टम लगाने के दिए निर्देश

कोरबा। कलेक्टर संजीव झा एवं पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह ने कोरबा शहर में स्थित बालिका गृह व दत्तक ग्रहण अभिकरण से संबंधित संस्था में पहुंच कर बच्चों के साथ रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया। कलेक्टर एवं एसपी ने बाल गृह बालिका सुमति सामुदायिक विकास संस्था व विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण, सेवा भारती मातृ छाया संस्था का भ्रमण कर संस्था में निवासरत् बच्चों के साथ रक्षा बंधन का पर्व मनाया। कलेक्टर झा ने एवं एसपी सिंह ने बाल गृह बालिका, व दत्तक ग्रहण ऐजेंसी में बालिका व बच्चें को रक्षाबंधन पर्व पर मिठाई का वितरण कर खुशियां बांटी। कलेक्टर ने बालिकाओं के प्रतिभा को निखारने, स्कील डेवलपमेंट, सीपेट से रोजगार उन्मूलन प्रशिक्षण प्रदान कराने, संस्था में निवासरत् बालिकाओं हेतु कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान कराने हेतु दो सेट कम्प्यूटर प्रदान करने तथा सोलर सिस्टम लगाने हेतु क्रेडा से प्रदान करने के निर्देश दिए गये । इसी तरह से दत्तक ग्रहण ऐजेंसी में लाभांवित बच्चों के समुचित पालन पोषण के निर्देश दिये गये तथा अनुदान राशि शीघ्र रिलीव करने हेतु निर्देश दिये गये। विशेष जरूरत वाले बच्चों हेतु विभाग से मार्गदर्शन प्राप्त कर उपयुक्त संस्था में रिफर करने हेतु निर्देश दिए गये। बालिका गृह में 53 बालिकाएं एवं दत्तक ग्रहण संस्था में 15 बच्चे लाभान्वित हो रहे है। संस्था भ्रमण के दौरान कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने बच्चों से व्यक्तिगत वार्तालाप कर उनसे उनका हालचाल जाना। कलेक्टर एवं एसपी को अपने बीच पाकर संस्था में निवासरत् बालिकाऐं अति उत्साहित रही।

उल्लेखनीय है की किशोर न्याय बालकों की देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम 2015 नियम 2016 के अनुक्रम में एकीकृत बाल संरक्षण योजना अंतर्गत कोरबा जिलें में बच्चों के देखरेख एवं संरक्षण को सुनिश्चित किये जाने हेतु बाल देखरेख संस्थाऐं संचालित है। उपरोक्त संस्थाओं में देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बालक बालिकाओं संरक्षण प्रदान किया जाता है। संस्थाओं में निवासरत् समस्त बालक बालिकाओं के हुनर व प्रतिभा को निखारने का भी कार्य किया जाता है। बाल देखरेख संस्थाओं के भ्रमण के दौरान एसडीएम कोरबा हरिशंकर पैंकरा, जिला कार्यक्रम अधिकारी एमडी नायक, जिला बाल संरक्षण अधिकारी दया दास महंत सहित बाल गृह बालिका सुमति सामुदायिक विकास संस्था व विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण, सेवा भारती मातृ छाया संस्था के अध्यक्ष, सचिव व संस्था के कर्मचारी उपस्थित रहे।